हिन्दी पखवाड़ा - 2020 का समापन समारोह

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना में हिंदी पखवाड़ा-2020 का समापन समारोह दिनांक 29 सितम्बर 2020 को संपन्न हुआ। इसके साथ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में व्याख्यान सत्र का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत आईसीएआर गीत से हुई, जिसके उपरांत डॉ. शिवानी, अध्यक्ष, हिंदी समिति ने राजभाषा हिंदी की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए इस पखवाड़ा में दिनांक 14.09.2020 से 29.09.2020 तक आयोजित प्रतियोगिताओं के बारे में जानकारी दी | इसके बाद भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, कृषि प्रणाली का पहाड़ी एवं पठारी अनुसंधान केंद्र, राँची के पूर्व प्रमुख डॉ. शिवेंद्र कुमार हमारे संस्थान के साथ ऑनलाइन जुड़े | उन्होंने "भारतीय कृषि और महात्मा गांधी के दर्शन" पर व्याख्यान दिया | व्याख्यान के दौरान उन्होंने किसान के दो सौ वर्षों के शोषण की पृष्ठभूमि, भारतीय किसान आंदोलन में गांधी जी का प्रवेश, ग्राम स्वराज्य, वर्तमान भारतीय कृषि परिप्रेक्ष्य में प्रासंगिकता आदि विषयों पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला |

इसी कड़ी में संस्थान के प्रभागाध्यक्षों; डॉ. उज्ज्वल कुमार, डॉ. जे.एस. मिश्र, डॉ. कमल शर्मा एवं डॉ. आशुतोष उपाध्याय ने भी महात्मा गांधी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए राजभाषा हिंदी में अधिकाधिक कार्यालयीन कार्य करने पर बल दिया | प्रभागाध्यक्षों के अभिभाषण के बाद पारितोषिक वितरण समारोह प्रारंभ हुआ | संस्थान के निदेशक महोदय डॉ. भगवती प्रसाद भट्ट ने हिंदी पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों के प्रदर्शन के आधार पर उन्हें प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार प्रदान कर उत्साहवर्धन किया |

पारितोषिक वितरण के उपरांत निदेशक महोदय ने अपने अभिभाषण में संस्थान के सभी कर्मियों को हिंदी पखवाड़ा – 2020 के सफल आयोजन हेतु बधाई दी | साथ ही उन्होंने बताया कि इस पखवाड़ा के आयोजन एवं इसी दौरान संस्थान की गृह पत्रिका "अक्षय खेती" के प्रकाशन में संस्थान की हिंदी समिति; डॉ. शिवानी, डॉ. रजनी कुमारी, डॉ. कीर्ति सौरभ, डॉ. तारकेश्वर कुमार, डॉ. कुमारी शुभा, श्रीमती मनीषा टम्टा, श्रीमती प्रभा कुमारी एवं उमेश कुमार मिश्र की भूमिका सराहनीय रही | उन्होंने सभी कर्मियों से अपील किया कि हिंदी हमारी राजभाषा है और 'क' क्षेत्र में होने के नाते यह हम लोगों की जिम्मेदारी है कि ज्यादा से ज्यादा कार्यालयीन कार्य हिंदी में हो |

कार्यक्रम के अंत में श्रीमती मनीषा टम्टा ने उपास्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया |

हिंदी पखवाड़ा - 2020 के समापन समारोह की कुछ झलकियाँ

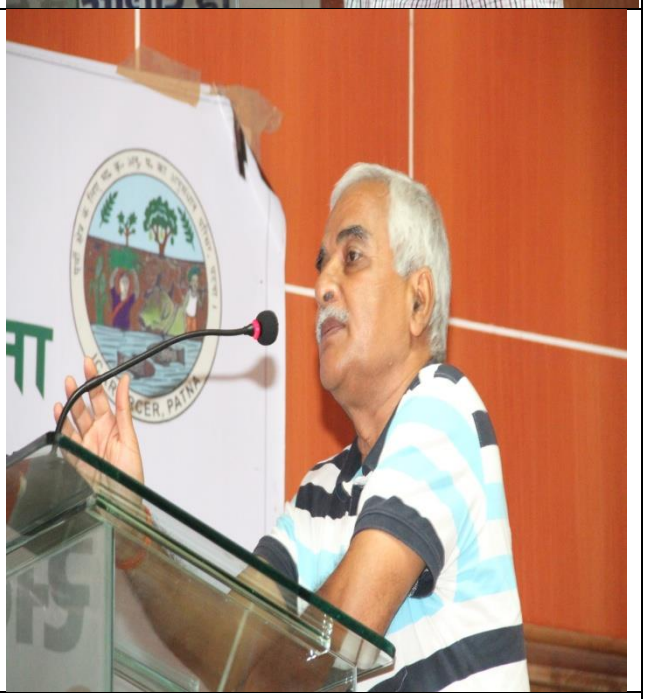

का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना
वाड़ा समारोह-2020
से 29 सितम्बर
की हार्दिक शुभकामनाएँ

भा.कृ.अनु. परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना
हिन्दी पखवाड़ा समारोह-2020
14 से 29 सितम्बर